

संय ~~राधापति कलक्टर (द्वितीय) सीकर~~

पान ~~धूइसिए~~

बनाम ~~मेहर सिंह~~

मुकदमा नं.

24 ⁰/₂₅

परायली परा इ. लीक तार्थ
व तार्थ स्वयं न मायालय समयावधि
तु वार-वार आपन लावाने
उ वापस - मायालय में उपस्थित
नही। अतः परायली को आपन
हाथिरी व आपन परी में खादि
जमा पाता है। परायली के काल
शुमार होकर 12 वर के कत हो
दायिल पतर हो।

सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर